Sample

लाल–किताब टेवा

Ajit Kumar Singh

Contact - ----------

* While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

लाल किताब उपाय से संबंधित सावधानियां और सामान्य नियम

1– एक दिन में केवल एक ही उपाय करें। एक उपाय समाप्त हो जाने के बाद अगले दिन से दूसरा उपायशुरू करें।

2– सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

3– सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में कोई ऋण है तो पहले ऋण वाले उपाय करें।

4– कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे।

5– यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरूकर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

6– मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

7– एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

8– जल प्रवाह की कोई भी वस्तु सिर पर सात बार घुमाकर जल प्रवाह करें।

9– यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ––साथ एक––एक करकेदूसरे उपाय करें।

10– जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें।

11– जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबेचलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

12– जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

13– उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

आपकी कुण्डली से संबंधित सावधानियां और नियम

(1) आपकी कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नौवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने घर में चौड़े पत्तों वाले पौधे जैसे मनी प्लांट इत्यादि नहीं लगाना चाहिए, अन्यथा आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

(2) आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में बैठा हुआ है। यदि आपके घर की दहलीज पर खुदी हुई भट्ठी (जो कि शादी विवाह के अवसरों पर बनाई जाती है और बाद में ढक दी जाती है) है, तो यह आपकेपरिवार के लिए बहुत ही अशुभ है। आपको चाहिए कि उस भट्ठी की जली हुई मिट्टी को नदी या नाले में बहा दें, और ऐसी भट्ठी अपनी दहलीज पर फिर ना खोदें।

(3) यदि आपके घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी है, जिसमें दरवाजे के अतिरिक्त रोशनी आपने के लिए कोई भी जगह नहीं है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान या खिड़की नहीं खोलनी चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

किसी कारणवश ऐसी कोठरी की छत बदलवानी पड़े तो पुरानी छत को गिराने से पहले उस कोठरी के उपर नई छत डलवा लें।

(4) यदि आपके घर में सोने–चांदी के गहनों या रूपये–पैसे रखने के लिए सेफ, आलमारी, तिजोरी इत्यादिहै, तो उसे कभी भी पूरी तरह खाली नहीं रखें।

(5) अपने मकान के कुछ हिस्सों में मिट्टी वाला स्थान अवश्य रखें।

(6) झूठ ना बोलें।

(7) झूठी गवाही ना दें।

(8) अपशब्द ना बोलें।

(9) किसी को गाली न दें।

(10) क्रूरता न करें।

(11) ईश्वर पर विश्वास रखें।

(12) देवी–देवताओं की उपासना श्रद्धापूर्वक करें।

(13) मांस–मछली ना खायें।

(14) शराब का सेवन ना करें।

(15) कपड़े सलीके से पहनें।

(16) कान–नाक छिदवायें।

(17) दांत साफ

रखें।

(18) संयुक्त परिवार में रहें।

(19) ससुराल से मधुर संबंध बनाकर रखें।

(20) कन्याओं की पूजा करें। उन्हें हरे वस्त्र, उत्तम भोजन आदि देकर प्रसन्न रखें।

(21) बहन–बेटी को मीठी वस्तुओं का उपहार दें।

(22) जिस प्रकार माता की सेवा करते हैं, उसी प्रकार जीवनसाथी का भी उचित देखभाल करें।

(23) भाभी (बड़े भाई की जीवनसाथी) की सेवा करें।

(24) परिवार के सदस्यों का पालन करें।

(25) मुत में किसी से कुछ ना लें।

(26) निःसंतान की संपत्ति ना लें।

(27) बड़ों के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद प्राप्त करें।

(28) यथा संभव दक्षिणमुखी मकान में ना रहें।

(29) घर की छत में छेद ना रखें।

(30) घर में थोड़ी बहुत कच्ची जगह अवश्य रखें।

(31) विकलांगों को भोजन दें, उनकी सहायता करें।

(32) पड़ोस में कोई असहाय विधवा हो, तो उनकी सहायता करें।

(33) मनुष्येत्तर जीवों– गाय, कुत्ता, कौवा, बन्दर आदि को भोजन दें।

(34) काने और गंजे आदमी से सावधान रहें।

(35) नाक को हमेशा साफ रखें।

लाल किताब टेवा (कुण्डली)

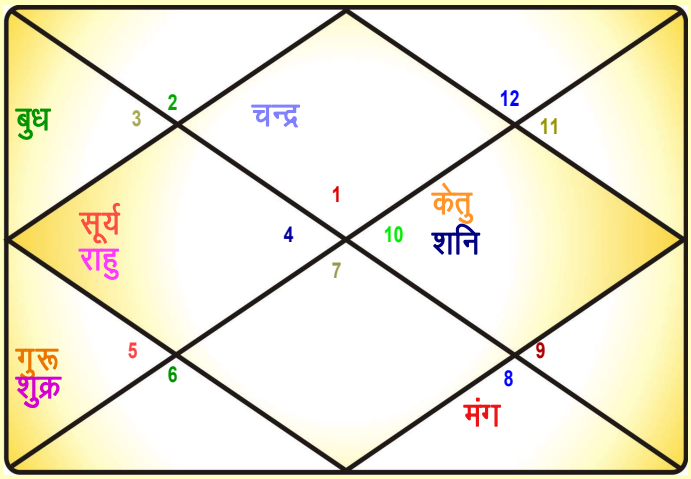

जन्म दिन का ग्रह :	मंगल
जन्म समय का ग्रह :	शनि

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

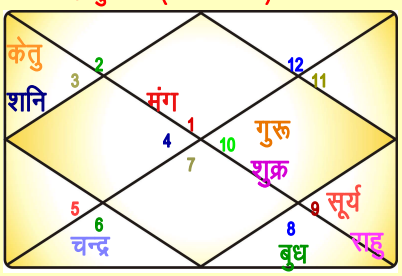

भाव चलित कुण्डली

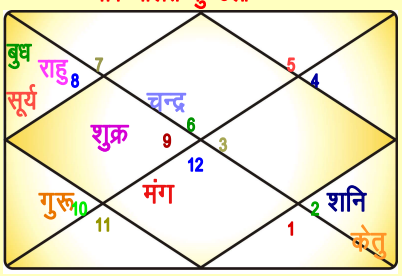

लाल किताब टेवा (कुण्डली) में ग्रह स्थिति

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भा0 का ग्रह	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	चतुर्थ	5	ग्रह			चन्द्रमा				शुभ भाव में
चन्द्रमा	लग्न	4	ग्रह			सूर्य	हाँ		हाँ	शुभ भाव में
मंगल	अष्टम्	1, 8	ग्रह	हाँ						अशुभ भाव में
बुध	तृतीय	3, 6	ग्रह		हाँ				हाँ	अशुभ भाव में
गुरू	पंचम्	9, 12	ग्रह	हाँ						शुभ भाव में
शुक्र	पंचम्	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	अशुभ भाव में
शनि	दशम्	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ					शुभ भाव में
राहु	चतुर्थ		राशि					हाँ		शुभ भाव में
केतु	दशम्		राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव में

लाल किताब टेवा (कुण्डली) में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न॰	खाना न॰	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	गुरू		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बुध	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	सूर्य, राहु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		गुरू	मंगल	चन्द्रमा
5	गुरू, शुक्र	सूर्य	गुरू				सूर्य
6		बुध	बुध,केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र,बुध		शनि		शुक्र
8	मंगल	मंगल	मंग,,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		गुरू	गुरू		केतु	राहु	शनि
10	शनि, केतु	शनि	शनि		मंगल	गुरू	शनि
11		शनि	शनि				गुरू
12		गुरू	गुरू		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब लग्न कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

लाल किताब की सामान्य दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य							पूर्ण		पूर्ण
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु							पूर्ण		पूर्ण
केतु									

ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य							0		0
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू		0							
शुक्र									
शनि	0							0	
राहु			0				0		0
केतु	0							0	

लाल किताब में टक्कर की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा			0						
मंगल				0					
बुध							0		0
गुरू									
शुक्र									
शनि					0	0			
राहु									
केतु					0	0			

लाल किताब में पाये की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा									
मंगल	0							0	
बुध									
गुरू		0							
शुक्र		0							
शनि									
राहु									
केतु									

लाल किताब में विश्वासघात की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य		0							
चन्द्रमा							0		0
मंगल					0	0			
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु		0							
केतु									

लाल किताब में सहचरी दिवार की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य				0	0	0			
चन्द्रमा	0						0	0	0
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु				0	0	0			
केतु									

लाल किताब में अचानक प्रहार की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य							0		0
चन्द्रमा				0					
मंगल							0		0
बुध		0							
गुरू									
शुक्र									
शनि	0		0					0	
राहु							0		0
केतु	0		0					0	

लाल किताब में परस्पर सहयोग की दृष्टि

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य			0						
चन्द्रमा					0	0			
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु			0						
केतु									

For Mindsutra Software Technologies

लाल किताब में ऋण – लक्षण और उपाय

पितृ ऋण

आपकी कुण्डली में सूर्य न तो पहले भाव में और न ही ग्यारहवें भाव में है और शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए। यह पितृ ऋण सूर्य से संबंधित है। आपको सूर्य से संबंधित लाल किताब के उपाय करने चाहिए।

ऋण – कारण और लक्षण –

1– यदि कुल पुरोहित बदलने की आवश्यकता होती है।

2– यदि घर के आस–पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो।

3– घर के आस–पास में कोई पीपल या बरगद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो।

प्रभाव –

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगती है, तो घर की धन–संपत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जाती है तथा सिर पर चोटी के स्थान से बाल गायब हो जाते हैं और गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो जाती है। आपको बिना गलती के ही जेल जाना पड़ सकता है।

उपाय –

1– आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बराबर–बराबर पैसा इकट्ठा करें और किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

2– अपने घर के आस–पास के किसी धार्मिक स्थल पर जाकर वहां की साफ–सफाई करें।

3– घर के आस–पास कोई पीपल या बरगद का पेड़ हो तो उसकी सेवा तथा देख–भाल करें और उसमें पानी डालें।

स्वयं का ऋण

आपकी कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी कुण्डली में लागूहो रहे स्वयं के ऋण का परिचायक है।

ऋण – कारण और लक्षण –

1– आप धर्म, संस्कृति, भगवान या रीति–रिवजों को नहीं मानते हों, इसलिए आपकी कुण्डली में यह ऋण लागू हो रहा है।

2– आपके घर में तंदूर या भट्ठी हो सकती है।

3– आपके छत में किसी सूराख से रोशनी आ रही होगी।

4– हृदय रोग के लक्षण होंगे।

प्रभाव –

आप अपने जीवन में उन्नति करेंगे और धन इकट्ठा करेंगे। आप समाज में बहुत सम्मानित भी हो सकते हैं,परन्तु जब आपका पुत्र ग्यारह महीने या ग्यारह साल का होता है, तो आपके सम्मान और धन पर ग्रहण लग सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आप अपना शरीर भी नहीं हिला सकते हैं।

उपाय –

आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बारबर मात्रा में धन इक्टठा करें और उस धन से सूर्य यज्ञ करवायें।

ग्रहफल लाल–किताब

सूर्य चतुर्थ भाव में

आपकी कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। आप धन संग्रह करते रहेंगे और अन्य लोग इससे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी संतान करोड़पति होगी। आप किसी नई चीज का अविष्कार करेंगे और इस नयी खोजसे आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको नये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अपने पैतृक व्यवसाय के अलाव कोई अन्य कार्य करेंगे तो आपको उसमें अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप अपने देश को छोड़ कर विदेश में निवास कर सकते हैं। अपने पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी। यदि आप अपने घर पर नल लगवाते हैं या कुँआ बनवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी। आपको अपनी 25 से 50 साल की आयु में बहुत लाभ प्राप्त होगा। पानी, कपड़े और दूध का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा और आप इससे बहुत लाभ कमायेंगे। विशेषकर कपड़े का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा। आप फल देने वाले वृक्ष लगायेंगे। आपका भाग्य आप पर मेहरबान होगा। यदि आप रात में काम करेंगे तो आपको अधिक लाभप्राप्त होगा। आपको घर संबंधित कोई समस्या नहीं आयेगी। आप समुद्री यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे।आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आपके लिये भाग्यशाली साबित होगी। आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। उन्हें अपने काम में उन्नति प्राप्त होगी। यदि आप वाहन से संबंधित कोई व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपमें चोरी करने की आदत हुई, आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े, किसी स्त्री के साथ गलत व्यवहार किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारण से कमजोर हो जाता है तो इसका बुरा असर आपके बच्चों पर पड़ सकता है। आपकी माता और बहन को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बिना किसी कारण के दुःखीरह सकते हैं। आपकी माता चिन्तित रह सकती हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रह सकता है। आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपने दूसरों के बनते काम

बिगाड़े तो आपको अपने कार्य में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और आपको रक्तचाप की समस्या हो सकती है। आपके माता–पिता के सुख में कमी आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– आपको चोरी से दूर रहना चाहिये।
2– महिलाओं के झगडे से दूर रहें।

उपाय :

1– अन्धों को भोजन दें।
2– शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्रमा लग्न भाव में

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे।आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु

में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थितिमें सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कष्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहींरह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहींहो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।
2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

उपाय :

1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।
2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

मंगल अष्टम् भाव में

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार आप मांगलिक हैं। आपको अपने माता–पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आप निडर और उत्साही होंगे। परिणामों की परवाह किये बिना आप चुनौतियों का मुकाबला करेंगे। आप न्याय पाने के लिये लड़ाई करने से नहीं हिचकिचायेंगे। आप अपने काम में गहरी रूचि लेंगे और उसे पूरे मन से करेंगे। भगवान आपका जीवन बुरी घटनाओं से बचायेगा। आप बाधाओं का मुकाबला चिन्तित हुये बिना करेंगे। आपको अपने ससुराल वालों से सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे।

यदि आप विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करेंगे, हर समय अपने पास चाकू रखेंगे, लोगों के साथ झगड़ा करेंगे,आपके घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी हुई तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके छोटे भाई को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उसके कारण झगड़ा हो सकता है। आपका भाई आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। किसी अचानक दुर्घटना के कारण आपको कोई रक्त संबंधी विकार हो सकता है या कोई नाखून संबंधी रोग हो सकता है।किसी व्यक्ति पर बिना किसी कारण क्रोध करना आपके लिये पश्चाताप का कारण बन सकता है। आपको हानि भी हो सकती है। कोई आप पर आक्रमण कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपने घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी न रखें।
2– तोता न पालें।

उपाय :

1– विधवा का आशीर्वाद लें।
2– तन्दूर में मीठी रोटी पकाकर कुत्ते को खिलायें।

बुध तृतीय भाव में

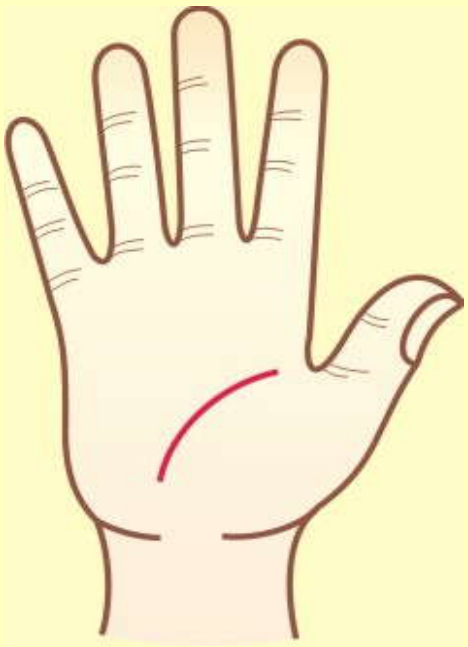

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसाय में यशप्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आपको कुछ खराब परिणामों के साथ उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और संतानों के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा। आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आपनिडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्यों से घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप अपने दिमाग से भी सोचेंगे।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखीघर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाइ–बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– मामा और बुआ से न लड़ें।
2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

उपाय :

1– कन्याओं की सेवा करें या दुर्गा पूजा करें।
2– तोता पालें।

गुरू पंचम् भाव में

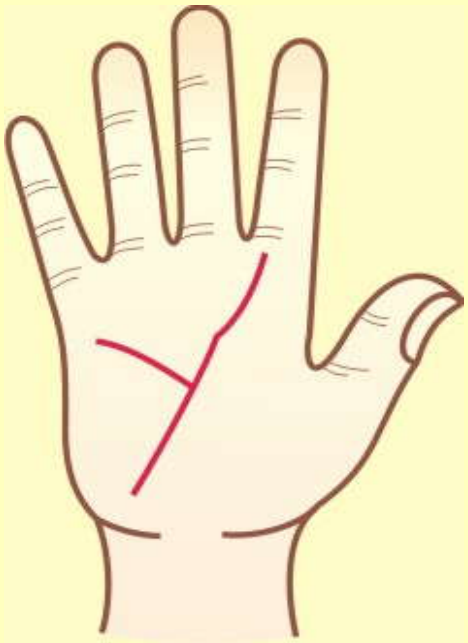

आपकी कुण्डली में बृहस्पति पॉचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ–साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगाऔर आप यश प्राप्त करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे।

यदि आप धर्म के विरूद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं से झगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाताहै तो आप और अधिक कोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथ बैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– ईश्वर में आस्था रखें।
2– नाव से किसी तरह का कोई संबंध न रखें।

उपाय :

1–साधुओं की सेवा करें।
2–धर्मशाला या धार्मिक स्थान को साफ करें।

शुक्र पंचम् भाव में

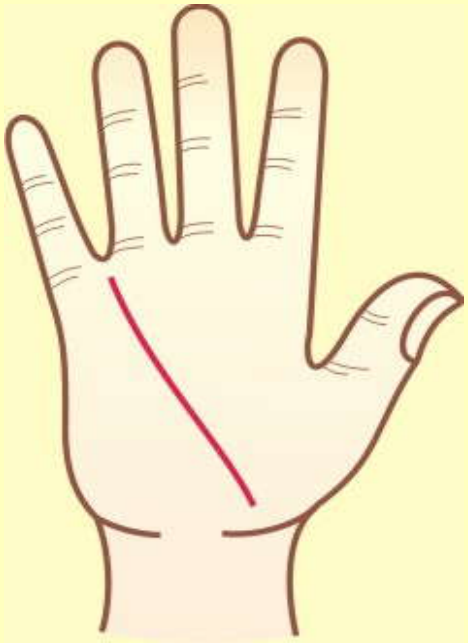

आपकी कुण्डली में शुक्र पॉचवें भाव में स्थित है। आप विद्वान होंगे। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपकी पत्नी वफादार होंगी। आपको सफेद रंग की वस्तुओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अपने समुदाय से प्रेम करेंगे। आपके विवाह के 5 साल बाद आपको धन और नौकरों का बहुत सुख प्राप्त होगा। आपको अपने व्यवसाय में उन्नति प्राप्त होगी। जब तक आपकी पत्नी जीवित हैं, आपको किसीप्रकार का अभाव नहीं होगा। आपका धन बढ़ेगा। आप अपने परिवार और देश से प्रेम करेंगे। आप अपने भाई के लिये अनुकूल होंगे। आप जीवन में बाधाओं का सामना नहीं करेंगे। आपका जीवन आनन्द और शांति से पूर्ण

होगा।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह किया तो आपका शुक्रकमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कामुक हो सकते हैं और इस कारण से आपके सुख में बाधा पहुँच सकती है। यदि आपकी संगति बुरी हुई या आप प्रेम प्रसंग में पड़े तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपके कारण आपके मित्रों को परेशानी हो सकती है। आप दोहरी प्रकृति वाले व्यक्ति होंगे। आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है या आपको संतानप्राप्ति में देरी हो सकती है। यदि आप प्रेम विवाह करते हैं तो आपको पुत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपकी बहन या बुआ के धन का नाश हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– महिलाओं के लिये दीवाने न हों।
2– अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें।
3– प्रेम या अन्तर्जातीय विवाह न करें।

उपाय :

1– अपने शरीर पर दही या दूध मलकर स्नान करें।
2– गाय की सेवा करें।

शनि दशम् भाव में

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणीव्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल कीआयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– मांस–मदिरा का सेवन न करें।
2– भाग–दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1– अपने पास हथियार न रखें।
2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

राहु चतुर्थ भाव में

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में स्थित है। आप सद्गुणी, धनी और दीर्घायु होंगे। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेंगे। आप सज्जन होंगे और आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। आप बड़ी सम्पत्ति के मालिक होंगे। आपको अपने संबंधियों से धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप दूसरों की मदद करेंगे और लोग आपको परोपकारी व्यक्ति मानेंगे। आप दयालु होंगे और आपको वाहन का सुख प्राप्त होगा। आप अपनी बहन और पुत्री के लिये धन खर्च करेंगे। आपको अपने ससुराल से धन और लाभ प्राप्त होते रहेंगे। आपके ससुराल वालों का धन बढ़ेगा। आप 24 साल की आयु के बाद धन संग्रह करेंगे। आपके पिता और संतान को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, परन्तु आपकी माता के साथ ऐसा नहीं हो सकता है। आपको भूमि, भवन, वाहन और जीवन के अन्य सुख प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप अपने विभाग में एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको बन्दूक या पिस्तौल रखने का शौक होगा।

यदि आपने पूजा का स्थान बदला, लकड़ी का कोयला अपने घर की छत पर रखा, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनायी, अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ संबंध रखा तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदिआपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको 34 साल की आयु के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को भी परेशानी हो सकती है। आपके ससुराल और ननिहाल वालों को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी रखैल पर धन बर्बाद करने के बाद अपनाजीवन बर्बाद कर सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देख सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध न रखें।
2– गंगा स्नान करें।

उपाय :

1–घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2–पानी में सूखा धनिया प्रवाहित करें।

केतु दशम् भाव में

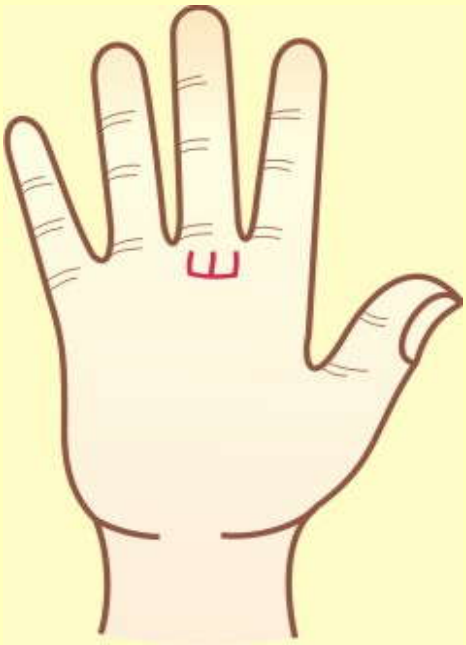

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें घर में स्थित है। आप धनवान होंगे और हर तरह की सुख–सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे। आपका जीवन खुशहाल होगा और आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होगा। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। आप शंकालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपके जीवन में40 वर्ष की आयु तक समय मिला–जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन सुखमय रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पराई स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकताहै। यदि किसी कारण वश केतु मंदा हो गया तो आपका चाल–चलन ठीक नहीं हो सकता है। आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपकी पुत्रियां अधिक हो सकती या आपको पुरुष संतान नहीं हो सकती हैया संतान गोद लेने की नौबत आ सकती है। इसकी वजह से आपको बहुत परेशानियां झेलनी पड़ सकतीहैं। आपके भाई आपको बर्बाद कर सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग कर सकते हैं। पराई औरतके साथ संबंध आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुंचा सकता है। यह आपके जीवन के लिए घातक सिद्धहो सकता है। आपको 48 वर्ष की आयु के आस–पास या माता की मौत के बाद पुत्र सुख मिल सकता हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– चाल–चलन ठीक रखें।
2– कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1– मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2– घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें, तो ऐसीकुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधोंको भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष– आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिकजीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष– आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में बृहस्पति के साथ शनि बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथल–पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कर्ष– यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

नाबालिक कुण्डली (टेवा)

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली के पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव (केन्द्र स्थान) में कोई भी ग्रहनहीं बैठा हुआ है या उनमें केवल बुध बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली, नाबालिक टेवा (कुण्डली) कहलातीहै। इस स्थिति में जातक की किस्मत बारह साल तक शक के दायरे में होती है।

लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक–एक ग्रह का प्रभाव अग्रलिखित रूप में पड़ेगा। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1– उम्र के पहले साल में सातवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
2– उम्र के दूसरे साल में चौथे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
3– उम्र के तीसरे साल में नौवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
4– उम्र के चौथे साल में दसवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
5– उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
6– उम्र के छठें साल में तीसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
7– उम्र के सातवें साल में दूसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
8– उम्र के आठवें साल में पांचवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
9– उम्र के नौवें साल में छठे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
10– उम्र के दसवें साल में बारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
11– उम्र के ग्यारहवें साल में पहले भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
12– उम्र के बारहवें साल में आठवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष– यह कुण्डली (टेवा) नाबालिक टेवा नहीं है।

लाल किताब में मांगलिक दोष और उसका उपाय

मांगलिक दोष का कारण

लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति के अनुसार आपकी कुण्डली में मांगलिक दोष लागू हो रहा है।

मांगलिक दोष का प्रभाव –

आठवें भाव में स्थित मंगल का दाम्पत्य जीवन पर असर –

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप बहुत ज्यादा आदर्शवादी और आलसी हो सकते हैं। आपकी आदर्शवादिता आपके दाम्पत्य जीवन में कलह का कारण होगी।

मांगलिक दोष के उपाय –

1. हनुमान चालीसा का पाठ करें।

2. हनुमान जी को प्रसाद चढ़ायें।

3. हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ायें।

4. गायत्री का पाठ करें।

5. दुर्गा का पाठ करें।

6. रामचरित मानस के सुन्दर काण्ड का पाठ करें।

7. लाल रूमाल पास में रखें।

8. चाँदी का छल्ला (बिना जोड़ का) पहनें।

9. तांबे या सोने की अंगूठी में मूंगा जड़वाकर पहनें।

10. चाँदी के कड़े में तांबा जड़वा कर पहनें।

11. चाँदी की चूड़ी पर लाल रंग करवा कर जीवनसाथी को

पहनायें।

12. बन्दर पालें, या बन्दरों को भोजन दें।

13. तन्दूर पर मीठी रोटी लगवा कर कुत्तों को दें।

14. मंदिर में मीठा भोजन बांटें।

15. चीनी बहते पानी में प्रवाहित करें।

16. शहद या सिन्दूर बहते पानी में प्रवाहित करें।

17. मिट्टी की दीवार बनवाकर बार–बार गिरायें।

18. घर में नौकर रखें।

मांगलिक दोष के विशेष उपाय –

चाँदी के कड़े में तांबा जड़वा कर पहनें।

चाँदी की चूड़ी पर लाल रंग करवा कर जीवनसाथी को पहनायें।

लाल किताब वर्षफल

वर्षफल कुण्डली –48

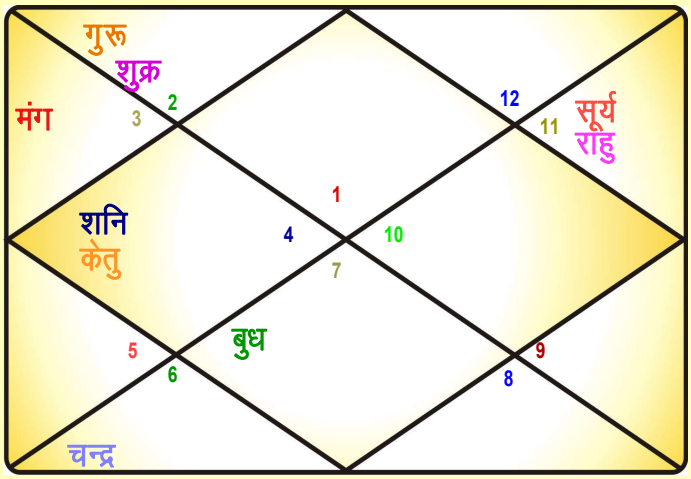

18:12:2020 -- 17:12:2021

लग्न कुण्डली

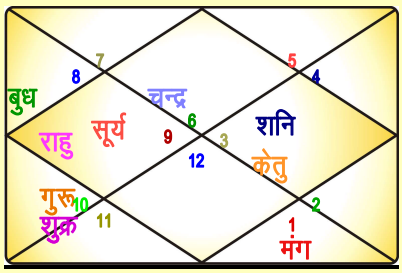

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

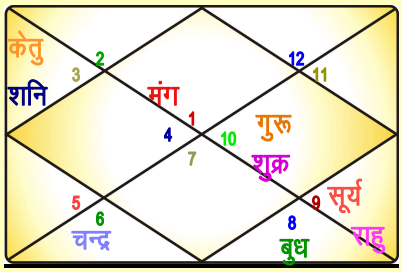

लाल किताब वर्ष कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्का घर	भाग्योदय का ग्रह	साथी ग्रह	कायम ग्रह	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	एकादश	राशि						हॉं	शुभ भाव में
चन्द्रमा	षष्टम्	ग्रह			केतु			हॉं	अशुभ भाव में
मंगल	तृतीय	ग्रह	हॉं			हॉं			शुभ भाव में
बुध	सप्तम्	ग्रह	हॉं			हॉं			शुभ भाव में
गुरू	द्वितीय	ग्रह	हॉं						शुभ भाव में
शुक्र	द्वितीय	ग्रह				हॉं			शुभ भाव में
शनि	चतुर्थ	राशि						हॉं	अशुभ भाव में
राहु	एकादश	राशि						हॉं	अशुभ भाव में
केतु	चतुर्थ	ग्रह				हॉं	हॉं	हॉं	अशुभ भाव में

लाल किताब वर्ष कुण्डली में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न॰	खाना न॰	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
1		मंगल	सूर्य	ह्मद्रॅ	सूर्य	शनि	मंगल
2	गुरू, शुक्र	शुक्र	गुरू		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	मंगल	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	शनि, केतु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		गुरू	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	गुरू	ह्मद्रॅ			सूर्य
6	चन्द्रमा	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7	बुध	शुक्र	शुक्र,बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंग.,शनि	ह्मद्रॅ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		गुरू	गुरू		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	गुरू	शनि
11	सूर्य, राहु	शनि	शनि				गुरू
12		गुरू	गुरू		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल का विश्लेषण

वर्तमान वर्ष – 48

(18:12:2020 - 17:12:2021)

ग्यारहवें भाव में स्थित सूर्य का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत है, अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। आपकेसाले का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। आपके रिश्तेदार आपके धन का अपव्यय कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं हो सकता है। अपने पिता से आपके संबंध पूरी तरह से खराब हो सकते हैं।पदोन्नति में बाधायें आ सकती हैं। सरकारी कार्यों में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) 43 दिन तक रेत पर बिस्तर बिछाकर सोयें।
(2) मांस–मछली का सेवन ना करें।
(3) रात को अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें।
(4) झूठ ना बोलें।

छठवें भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको विदेशी सम्बन्धों से लाभ प्राप्त होगा। आपके शत्रुओं की पराजय होगी और आपके भाई–बन्धु और मित्र आपकी सहायता करेंगे।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
(2) अपने भेद दूसरों को ना बतायें।
(3) खरगोश पालें।
(4) रात में दूध का सेवन ना करें।
(5) मुत में पानी का दान ना करें।

तीसरे भाव में स्थित मंगल का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता तथा भाई–बन्धुओं से आपका मनमुटाव हो सकता है। आपके भाई या चाचा का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। गलत प्रेम–संबंधों के उजागर होने से भी आपको बदनामी का सामना करना पड़ सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप पैसों का लेन–देन बिना लिखित विवरण के करते हैं, तो यह ठीक नहीं है। आपको खून से सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए औरसावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) अपनी अंगुली में हाथी दांत का छल्ला पहनें।
(2) अपने क्रोध पर काबू रखें।
(3) अपने भाईयों की सहायता करें।
(4) खाने–पीने पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा पेट से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है।
(5) हाथी दांत से बनी वस्तुएं अपने घर में ना रखें।

सातवें भाव में स्थित बुध का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताबके अनुसार, इस वर्ष आपको अपने क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा आपका अनुचित व्यवहार आपकी मान–प्रतिष्ठा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि आप अपना व्यापार साझेदारी में करते हैं, तो इस वर्ष आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपके भाई अथवा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
(2) हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।
(3) घर में हरी घास रोपें।

दूसरे भाव में स्थित गुरू का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपकोइस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

वर्षफल में गुरू का उपाय

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) घर के सामने के गड्ढों को मिट्टी से भरवायें।
(2) सोने चांदी से सम्बन्धित व्यापार ना करें।
(3) हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
(4) अपने घर का एक हिस्सा अधूरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
(5) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(6) नवविवाहिता लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

दूसरे भाव में स्थित शुक्र का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताबके अनुसार, इस वर्ष आपके गृहस्थ सुख में कमी आ सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिएचिन्ता का विषय हो सकता है। पुत्र प्राप्ति के मार्ग में बाधायें आ सकती हैं और आप किसी दूसरी स्त्रीके साथ रहना शुरू कर सकते हैं। इस वर्ष आप पशु–पक्षियों से भी घृणा कर सकते हैं, जो कि आपकेलिए उत्तम नहीं होगा। अपने जीवनसाथी से आप मधुर संबंध बना कर रखें।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) आलू और दही का दान करें।
(2) जानवरों से घृणा ना करें।
(3) कपिला गाय की सेवा करें।

चौथे भाव में स्थित शनि का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको दवा या दवाईयों से संबंधित व्यापार से लाभ मिल सकता है। घर से दूर रहकर किया गयाव्यापार भी लाभप्रद होगा। इस वर्ष विदेश यात्रा का भी योग है। आपका चाल–चलन उत्तम होगा। यदिआप शराब पीते हैं, तो खराब स्वास्थ्य के लिए दवा की तरह काम करेगा। आपको पराई स्त्रियों के

साथ किसी प्रकार का संबंध नहीं रखना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) कुएं में दूध गिरायें।
(2) अपने भोजन में से एक हिस्सा मछलियों, कौओं या भैंस को खिलायें।
(3) इस वर्ष काले कपड़े ना पहनें।
(4) हरे रंग से बचें।
(5) 4 पैक शराब जल में प्रवाहित करें।

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपइस वर्ष अपनी बुद्धि और मेहनत से बहुत सारा धन कमायेंगे। आपको दूसरे व्यक्तियों पर आंख मूंद करविश्वास नहीं करना चाहिए, अन्यथा धोखा हो सकता है। इस वर्ष आप अपने पिता से अलग होकर कार्यकर सकते हैं, जिससे आप दोनों को फायदा होगा। इस वर्ष नीले और लाल रंग का प्रयोग बिल्कुल नाकरें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और ना ही अपने पास रखना है।
(2) घर में बिजली के खराब उपकरण ना रखें।
(3) सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढक कर रखें।

चौथे भाव में स्थित केतु का फल

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके उत्साह और सामर्थ्य में वृद्धि होगी। आप अपनी जायदाद को लेकर कुछ चिन्ति रह सकते हैं। पिता और गुरुजनों की सेवा करना आपके लिए लाभदायक होगा। अपने पारिवारिक सदस्यों से आपकासंबंध मधुर बना रहेगा।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

(1) किसी धार्मिक स्थान में हल्दी, केसर या चने की दाल दान करें।
(2) कुत्तों को ना मारें।
(3) कुल–पुरोहित की सेवा करें।

वर्षफल में लागू होने वाले योग

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि से आठवें भाव में सूर्य बैठा हुआ है। जिससे सूर्य का फल पूरी तरह से नष्ट हो जा रहा है। आपको अपने घर का चूल्हा दूध से बुझाना चाहिए।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धन हानि होने की संभावना अधिक होगी। उपाय के तौर पर 43 दिन तक लगातार अपने नाभि के चारों तरफ केसर का तिलक लगायें।